Gujarat Board Textbook Solutions Class 8 Hindi Chapter 4 उठो, धरा के अमर सपूतो

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

प्रश्न 1. कवि धरा के अमर सपूतो से क्या चाहते है?

उत्तर :

सदियों की गुलामी के बाद हमारे देश को स्वतंत्रता मिली है। कवि चाहते हैं कि देश के युवक स्वतंत्रता के बाद देश का नवनिर्माण करें। वे लोगों के जीवन में नया उत्साह भरें, उनमें नए प्राणों का संचार करें। युग-युग के मुरझाए हुए फूलों को नयी मुस्कान दें। अपनी मंगलमय वाणी से संसाररूपी उद्यान को गुंजित करें। वे तरह-तरह का ज्ञान प्राप्त कर देश का भविष्य उज्ज्वल बनाएँ। इस प्रकार, कवि धरा के सपूतो से अनेक अपेक्षाएँ रखते हैं।

प्रश्न 2. कवि नई मुस्कान कहाँ देखना चाहते हैं?

उत्तर :

दिलों के फूल स्वतंत्रता के प्रकाश में खिलते हैं। हमारा देश सदियों तक गुलामी के अँधेरे में रहा है। विदेशी शासक यहाँ के लोगों पर अत्याचार करते रहे। अन्याय और तरह-तरह का शोषण सहते-सहते लोग अपना स्वाभिमान खो बैठे। उनके दिलों में उदासी छा गई। कवि की इच्छा है कि ऐसे मुर्दा दिलों में फिर से नए जीवन का संचार हो। इस प्रकार कवि युग-युग से लोगों के मुरझाए हुए हृदयसुमनों पर नई मुस्कान देखना चाहते हैं।

प्रश्न 3. कवि ने देश के सपतो को क्या संदेश दिया है?

उत्तर :

कवि देश के सपूतो से कहते हैं कि देश स्वतंत्र हो चुका है। अब तुम्हें देश का नवनिर्माण करना है। स्वतंत्रता का लाभ जन-जन तक पहुँचाना है। देशवासी तुमसे बड़ी-बड़ी आशाएँ रखते हैं। तुम्हें उन्हें निराश नहीं करना है। तुम्हें लोगों में नए प्राण फूंकने हैं। विकास के नए. रास्ते खोजकर तुम्हें देश का पिछड़ापन दूर करना है। इस प्रकार कवि ने देश के सपूतो को संदेश दिया है कि वे देश को एक नए युग में ले जाएँ।

प्रश्न 4. हमारी राष्ट्रीय संपत्ति कौन-कौन-सी है? उसकी सुरक्षा के लिए आप क्या-क्या कर सकते हैं?

उत्तर :

रेलगाड़ियाँ, रेलवे स्टेशन, राष्ट्रीय राजमार्ग, नदियाँ, अभयारण्य, पुरातत्त्व संबंधी संपत्ति आदि हमारी राष्ट्रीय संपत्ति है।राष्ट्रीय संपत्ति की सुरक्षा हमारा कर्तव्य है। हम रेल संपत्ति को नुकसान नहीं पहुँचने

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

देंगे। राजमार्गों की मरम्मत के लिए सरकार को पत्र लिखेंगे। हम लोगों को पानी का महत्त्व समझाकर उसका अपव्यय रोकेंगे। सरकार द्वारा संरक्षित इमारतों को नुकसान पहुँचते देखकर हम पुरातत्त्व विभाग को सूचित करेंगे। अभयारण्यों में रक्षित पशुओं का शिकार होते देखकर हम उससे संबंधित अधिकारियों को सावधान करेंगे।

प्रश्न 5. 'उठो, धरा के अमर सपूतो' कविता में कौन-कौन-सी बातें हैं जिन्हें तुम अपने जीवन में उतारना चाहोगे?

उत्तर :

'उठो, धरा के अमर सपूतो' कविता की निम्नलिखित बातें मैं अपने जीवन में उतारना चाहूँगा:

(1) मैं अपने देश से प्रेम करूँगा।

(2) मैं केवल अपने लिए नहीं, बल्कि देश के लिए जीऊँगा।

(3) मैं सारे देशवासियों को अपना मानूँगा।

(4) मैं खूब मन लगाकर पढ़ूंगा। पढ़-लिखकर अपने ज्ञान का उपयोग देश की सेवा में करूंगा। मैं चाहूँगा कि मेरी योग्यता का लाभ देश को मिले।

(5) मैं ऐसे काम करूँगा जिनसे देश का गौरव बढ़े।

(6) मैं देश की रक्षा करने में कभी पीछे नहीं हटूंगा।

प्रश्न 6. देश के नवनिर्माण के लिए आप क्या-क्या करना चाहेंगे?

उत्तर :

देश के नवनिर्माण का कार्य करना मैं अपना कर्तव्य समझता हूँ। इसके लिए मैं अपने मुहल्ले में एक 'मित्र मंडल' की स्थापना करूँगा। इस मंडल के माध्यम से साक्षरता का प्रसार किया जाएगा। निर्धन परिवारों के विद्यार्थियों को पाठ्यपुस्तकें दी जाएंगी। हम अपने मुहल्ले में एक वाचनालय खोलेंगे। यहाँ बैठकर लोग अखबार पढ़ सकेंगे। मंडल की तरफ से वृक्षारोपण किया जाएगा और समय-समय पर आरोग्य-शिबिर लगाए जाएंगे।

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो-दो वाक्यों में दीजिए :

प्रश्न 1. धरा के सपूत नये राग और गान किसमें भरेंगे?

उत्तर :

स्वतंत्रता पाने के बाद हमारे देश में नया युग आया है। धरा के सपूत इस नवयुग की वीणा में नये राग और गान भरेंगे।

प्रश्न 2. धरती माँ की काया आज सुनहरी क्यों हो रही है?..

उत्तर :

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

सारे देश में स्वतंत्रतारूपी सूर्य का प्रकाश फैला हआ है। सुनहरी धूप के कारण आज धरती माँ की काया सुनहरी हो रही है।

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक-एक वाक्य में दीजिए :

प्रश्न 1. कवि ने धरती के सपूतो का किसलिए आह्वान किया है?

उत्तर :

कवि ने देश का नवनिर्माण करने के लिए धरती के सपूतो का आह्वान किया है।

प्रश्न 2. कवि ने प्रातःकाल को 'नया' क्यों कहा है?

उत्तर :

कवि ने प्रात:काल को 'नया' कहा है, क्योंकि यह स्वतंत्रता का प्रभात है।

प्रश्न 3. लोगों में नई उमंगें और तरंगें क्यों हैं?

उत्तर :

लोगों में नई उमंगें और तरंगें हैं, क्योंकि सदियों की पराधीनता के बाद देश को स्वाधीनता मिली है।

प्रश्न 4. डालों पर बैठे पंछी क्या कर रहे हैं?

उत्तर :

डालों पर बैठे पंछी नए स्वरों में गा-गाकर अपनी खुशी प्रकट कर रहे हैं।

प्रश्न 5. नूतन मंगलमय ध्वनियों से किसे गुंजित करना है?

उत्तर :

नूतन मंगलमय ध्वनियों से जगतरूपी उद्यान को गुंजित करना है।

प्रश्न 6. कवि ने किसे 'शुभ संपत्ति' कहा है?

उत्तर :

कवि ने सरस्वती के पावन मंदिर को 'शुभ संपत्ति' कहा है।

प्रश्न 7. नवयुग का आह्वान कैसे किया जाएगा?

उत्तर :

ज्ञान के सैकड़ों दीपक जलाकर नवयुग का आह्वान किया जाएगा।

सही वाक्यांश चुनकर पूरा वाक्य फिर से लिखिए :

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

(1) कवि ने धरा के सपूतो को 'अमर' बताया है, क्योंकि ...

(अ) उन्होंने मृत्यु को जीत लिया है।

(ब) इतिहास में सदा के लिए उनका नाम रहेगा।

(क) उनकी मृत्यु बहुत देर से होगी।

उत्तर :

कवि ने धरा के सपूतो को 'अमर' बताया है, क्योंकि इतिहास में सदा के लिए उनका नाम रहेगा।

(2) ज्ञान दीपक के समान है, क्योंकि ...

(अ) मनुष्य के मस्तिष्क की रचना दीपक जैसी है।

(ब) उसे पाने के लिए परिश्रम के तेल की जरूरत पड़ती है।

(क) वह अज्ञान का अँधेरा दूर करता है।

उत्तर :

ज्ञान दीपक के समान है, क्योंकि वह अज्ञान का अँधेरा दूर करता है।

कोष्ठक में से उचित शब्द चुनकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :

(विहग, ज्ञान, ध्वनियों, अमर, मुरझे)

(1) उठो, धरा के अमर सपूतो, पुनः नया निर्माण करो।

(2) युग-युग के मुरझे सुमनों में नयी-नयी मुस्कान भरो।

(3) डाल-डाल पर बैठ विहग कुछ नये स्वरों में गाते हैं।

(4) नूतन मंगलमय ध्वनियों से गुंजित जग-उद्यान करो।

(5) शत-शत दीपक जला ज्ञान के, नवयुग का आह्वान करो।

निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्न के उत्तर के लिए दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प चुनिए :

(1) अमर सपूत किसका नया निर्माण करेंगे?

A. इमारतों का

B. सपनों का

C. देश का

D. फिल्मों का

उत्तर :

C. देश का

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

(2) नये प्रभात के पहले किसका अँधेरा था?

A. रात का

B. अज्ञान का

C. कोहरे का

D. गुलामी का

उत्तर :

D. गुलामी का

(3) वीणा किस देवी के हाथ में होती है?

A. लक्ष्मी के

B. सरस्वती के

C. काली के

D. बहुचरा के

उत्तर :

B. सरस्वती के

(4) हम किसके रक्षक और पुजारी हैं?

A. मातृभूमि के

B. सरस्वती मंदिर के

C. ज्ञान के

D. संपत्ति के

उत्तर :

B. सरस्वती मंदिर के

आशय स्पष्ट कीजिए :

"युग-युग के मुरझे सुमनों में नयी नयी मुस्कान भरो।
उठो धरा के अमर सपूतो, पुनः नया निर्माण करो।।"

उत्तर :

हे मातृभूमि के पुत्रो, तुमने इस देश को स्वतंत्र करने के लिए बड़ा संघर्ष किया है और अंत में तुम विजयी हुए हो। सचमुच, तुम भारतमाता के सपूत हो, लेकिन अभी तुम्हें बहुत कुछ करना है। युग-युग से पराधीनता में रहते-रहते यहाँ के देशवासियों के हृदयों में निराशा भर गई है। तुम्हें इस निराशा को दूर कर इन्हें आशा बँधानी है। पराधीनता के दरम्यान यहाँ जो बरबादी हुई है, उसे दूर कर हर क्षेत्र में नया

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

निर्माण करना है।

प्रश्न 8. दिए गए काव्य को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

खड़ा हिमालय बता रहा है, डरो न आँधी पानी में,
डटे रहो अपने पथ पर, सब कठिनाई-तूफानों में ।
डिगो न अपने पथ से तुम, तो सब कुछ पा सकते हो प्यारे,
तुम भी ऊँचे उड़ सकते हो, छू सकते हो नभ के तारे।
अटल रहो जो अपने पथ पर, लाख मुसीबत आने में,
मिली सफलता उसको जग में, जीने में मर जाने में।
जितनी भी बाधाएँ आई, उन सब से ही लड़ा हिमालय,
इसीलिए तो दुनिया भर में, हुआ सभी से बड़ा हिमालय।

(1) हिमालय हमें क्या संदेश देता है?

उत्तर :

हिमालय हमें यह संदेश देता है कि हम अपने निश्चित मार्ग पर डटे रहें। यदि हम अपने प्रण और पथ पर टिके रहेंगे, तो हमारी सभी इच्छाएं पूरी हो जाएंगी। यहाँ तक कि हम असंभव को भी संभव कर सकेंगे।

(2) मुसीबत आने पर हमें क्या करना चाहिए?

उत्तर :

मुसीबत आने पर हमें उससे भयभीत नहीं होना चाहिए। उससे घबराकर अपना प्रण और पथ नहीं छोड़ना चाहिए।

(3) कवि ने हिमालय को सबसे बड़ा क्यों कहा है?

उत्तर :

हिमालय ने सभी बाधाओं का डटकर मुकाबला किया। वह हर कठिनाई से लड़ा। वह कभी अपने पथ से डिगा नहीं। इसीलिए कवि ने हिमालय को सबसे बड़ा कहा है।

(4) इस काव्य का भावार्थ लिखिए।

उत्तर :

जीवन में अनेक बाधाएँ और कठिनाइयाँ आती हैं। हमें निडरता से उनका सामना करना चाहिए। जो मुसीबतों से बिना घबराए अपने प्रण और पथ पर अटल रहते हैं, वे असंभव को भी संभव कर दिखाते हैं।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

(5) इस काव्य को योग्य शीर्षक दीजिए।

उत्तर :

योग्य शीर्षक : हिमालय का संदेश ।

अपूर्ण काव्य को पूर्ण कीजिए :

माँ खादी की चद्दर दे दो,
मैं गाँधी बन जाऊँगा .....
.....
.....

उत्तर :

माँ खादी की चद्दर दे दो,
मैं गाँधी बन जाऊँगा।
घड़ी कमर में मैं लटका लूँ,
आँखों को चश्मा पहना
दूं माँ छोटी-सी लाठी दे दो,
ठक-ठक करता जाऊँगा।

निम्नलिखित वाक्यों में से संज्ञा को ढूँढ़कर उसका भेद बताइए :

(1) सोना कीमती धातु है।
(2) गंगा पवित्र नदी है।
(3) उमंग दौड़ रहा है।
(4) दल जा रहा है।
(5) राजेश भय के कारण जंगल में नहीं गया।

उत्तर :

(1) सोना – द्रव्यवाचक संज्ञा; धातु – जातिवाचक संज्ञा
(2) गंगा – व्यक्तिवाचक संज्ञा; नदी – जातिवाचक संज्ञा
(3) उमंग – व्यक्तिवाचक संज्ञा
(4) दल – समूहवाचक संज्ञा
(5) राजेश – व्यक्तिवाचक संज्ञा;
भय – भाववाचक संज्ञा;
जंगल – जातिवाचक संज्ञा

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

निम्नलिखित एकवचन वाक्यों को बहुवचन में परिवर्तित कीजिए :

(1) मुझे लुटेरे का डर था।
(2) पक्षी ने उड़ान भरी।
(3) उसने मुझे मिठाई दी।
उत्तर :
(1) हमें लुटेरों का डर था।
(2) पक्षियों ने उड़ानें भरीं।
(3) उन्होंने हमें मिठाइयाँ दीं।

निम्नलिखित वाक्यों में से रेखांकित भाववाचक संज्ञाओं को जातिवाचक संज्ञा में परिवर्तित करके वाक्य फिर से लिखिए :

(1) विज्ञान ने <u>दूरी</u> कम की है।
(2) नर्मदा नदी की <u>लंबाई</u> बहुत है।
उत्तर :
(1) विज्ञान ने दूरियाँ कम की हैं।
(2) नर्मदा नदी की लंबाइयाँ बहुत हैं।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in